

(इ) क्या सरकार ने इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिये कोई उपाय किये हैं; और

(ब) यदि हाँ तो उनका स्वरूप क्या है ?

रेलवे डायरेक्टर (श्री साहनबाबू जी) :

(क) १४-११-१९५७ को सुबह लगभग ७ बजकर ५५ मिनट पर जब एस-३६१ ग्रप सवारी गाड़ी पूर्व रेलवे के सियालदह डिब्बीजन में रानाघाट-बानपुर सेक्शन के बगूला स्टेशन में दाखिल हो रही थी, उसके इंजन के साथ वाले ५ डिब्बे पटरी से उतर गये । ३ घादमियों को (न कि ४ को जैसा कि सवाल में कहा गया है) चोट आयी । इन में से एक को सख्त चोट लगी ।

(ख) जो नहीं, सवाल में बताया गया अवधि में सियालदह डिब्बीजन में केवल यही एक दुर्घटना हुई । सवाल में जिन दूसरी दो घटनाओं का जिक्र किया गया है वे शायद ये हैं :—

(i) १०-११-५७ को बरानगर रोड स्टेशन के सेमी आटोमोटिक सिगनल के पास ३३० टाउन सवारी गाड़ी और एस-१६६ टाउन लोकल सवारी गाड़ी के पिछले सिरे एक दूसरे से टकरा गये; और

(ii) १२-११-१९५७ को सी० सी० लिंक केबिन के बाहरी सिगनल के पास एस-११५ ग्रप लोकल सवारी गाड़ी और ७ ग्रप माल गाड़ी के पिछले सिरे एक दूसरे से टकरा गये ।

ये दुर्घटनाएँ पूर्व रेलवे के हावड़ा डिब्बीजन की कसकता कार्ड लाइन पर हुईं ।

(ग) तथा (घ). ऊपर जो तीन दुर्घटनाएँ बतायी गयी हैं, उन को जांच सरकार के रेलवे निरीक्षक, कलकत्ता ने की है । उनको आधिकारी रिपोर्ट अर्थात् नहीं मिली है ।

(इ) तथा (ब). इस दौरान में बीजे पी गयी कार्यवाहियाँ की गयी हैं :—

(i) बगूला जैसी दुर्घटनाओं की रोक-थाम के उपाय—

जब इंजन रीड से बाहर जाये और रीड में घाये, तो उस के हर एक पुर्जों की पूरी जांच की जाय ।

(ii) कसकता कार्ड जैसी दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय—

यह व्यवस्था की गयी है कि आटोमेटिक सेक्शन पर काम करने वाले हर एक ड्राइवर के पास क्षमता का नया प्रमाणपत्र हो, जिसमें यह बताया गया हो कि वह आटोमेटिक सेक्शन पर काम के नियमों को जानता है । जो ड्राइवर इस सेक्शन पर काम करना नहीं जानते, उन के साथ कंडक्टर ड्राइवर चलें जो उस सेक्शन के काम को अच्छी तरह जानते हैं ।

इस सेक्शन को देखभाल के लिये सुपर-वाइजर रखे गये हैं जो ड्राइवरों को आगाह करते रहते हैं कि वे नियमों का ठीक-ठीक पालन करें ।

खतरे की हालत में ड्राइवरों को आटो-मेटिक सिगनलों को पार करने की आज्ञा देने से सम्बन्धित नियमों को रद्द करने का आदेश जारी कर दिया गया है । अब ये सिगनल "ठहरो और रको" (Stop and Stay) समझे जाते हैं ।

Bridge at Dingrghat

1271. Shri Mohammed Tahir: Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Ganges-Darjeeling Road in Purnea District (Bihar) has been declared as National Highway;

(b) if so, whether the construction of bridge at Dingrghat on the said road has been included in the Second Five Year Plan; and

(c) if so, the time when the work is to be taken up?

The Minister of Transport and Communications (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) and (b). Yes, Sir.

(c) The construction of the bridge will be taken up as soon as the tenders which are now under scrutiny have been finally approved.

Forced Landing of Trainer Aircraft at Udaipur

1272. Shri Assar: Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether a trainer aircraft of the Madhya Bharat Flying Club, Indore was compelled to make a force landing at Udaipur aerodrome on the 17th November, 1957;

(b) whether any inquiry has been made into this incident; and

(c) if so, the findings thereof?

The Minister of Transport and Communications (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) No, Sir, it was not a case of forced landing, but the aircraft in question while landing after making a cross-country flight, nosed over and was damaged.

(b) and (c). The accident is under investigation

Cyclone on Konkan Coast

1273. Shri Assar: Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there was a great cyclone on the Konkan Coast from Bombay to Vengurla from the 10th to the 12th November, 1957; and

(b) if so, what was the total loss on the Konkan Coast?

The Minister of Transport and Communications (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) Yes Sir. A severe cyclonic storm was located in the East Central Arabian Sea, about 300 to 400 miles off the Kanara Konkan Coast, between the 10th and 12th

November, 1957. It weakened into a storm of moderate intensity before it reached the coast.

(b) Information has been called for from the State Government concerned and will be placed on the Table of the Lok Sabha as soon as it is available.

Aerodrome at Udaipur

1274. Shri Assar: Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a new aerodrome has been constructed at Udaipur; and

(b) if so, when the resumption of a regular air service between Delhi and Udaipur is expected?

The Minister of Transport and Communications (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) Yes, Sir.

(b) This is being examined by the Indian Airlines Corporation.

Sugarcane Crop in Orissa

1275. Shri Sanganna: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the sugarcane crop in Orissa has been greatly affected by the cane pest disease during this year; and

(b) if so, the steps taken in this regard?

The Deputy Minister of Agriculture (Shri M. V. Krishnappa): (a) Yes, Sir. In certain parts of Orissa, the sugarcane crop is reported to have been affected by two diseases namely, Red Rot and Chlorosis.

(b) The following steps have been taken by the State Government for the control of these diseases:—

(i) For control of Red Rot, a Sugarcane Development Centre has been started in Banki area and the staff are advising the cultivators